ब्राउन के अनुसार " इसके माध्यम से चेतन या अचेतन में होने वाले अहम - परमअहम व इदम के संघर्षों को अनेक तरह से आर्थिक विज्ञान के रूप में निराकरण करती है, " अर्थात मनोरचनाओं से चेतन या अचेतन होने वाले संघर्षों को सामान्य तरीके से दूर किया जाता है। ये तरीके सामान्य होते हैं साथ ही साथ समाज द्वारा मान्य भी होते हैं। वास्तव में मनोरचना में भी विशेष Id, ego, एवं Super ego का परस्पर भूमिका निभाना पड़ता है।

Dr. Meena Devi R.N. College Pandaul
Dpt of Psychology
Class - Part II Sub

Ques → What do you mean by mental mechanism ?

Ans → मनोरचना युक्तियों से आप क्या समझते हैं?

Ans → मन की प्रवृत्तियों का प्रकाशन विशेष रूप से सम्भव नहीं होता है जिसके फलस्वरूप व्यक्ति का संतुलन खराब हो जाता है। व्यक्ति सामान्य हो अथवा असामान्य संघर्ष तो दोनों को जिन्दगी में करना पड़ता है। जब व्यक्ति की ज्यादा उलझन हो जाता है तो उसे अनेक प्रकार की व्याधियाँ होने लगती हैं। इसी व्याधियों को सुलझाने में मनोरचनाएँ एक प्रभावशाली भूमिका निभाती हैं। सरल शब्दों में, जिन विधियों से अन्तर्द्वन्द्व से उत्पन्न समस्याओं का समाधान में सहायता प्रदान प्राप्त होती है, उन्हें ही हम मनोरचनाएँ कहते हैं।

"The resistance which prevents unconscious anti-social trends from becoming conscious, and which can lead to the over display of opposite tendencies"
(Ladell Macdonald.) "मैक डोनाल्ड लेडिल के अनुसार (मनोरचनाएँ" वे बाधाएँ हैं, जो अचेतन समाज-विरोधी प्रवृत्तियों को अचेतना में जाने से रोकती हैं।"

Conflicts between ego, super ego and Id in the conscious or unconscious are resolved in an economical fashion in various manners through the so called mechanism."